वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 57 | शनिवार 21 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सिटी पैलेस में पारंपरिक 'ठीकरी' कला की दिखी अलग तस्वीर

सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों ने पारंपरिक कलाओं की दी सुंदर प्रस्तुति

समारोह की शुरूआत सरस्वती मां की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में पहले डॉ. मधु भट्ट तैलंग के मार्गदर्शन में ध्रुवपद की प्रस्तुति हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भावपूर्ण गायन किया। जिसके बाद, श्री आरडी गौड़ के मार्गदर्शन में बांसुरी वादन की प्रस्तुति हुई।

जयपुर. कासं

सिटी पैलेस जयपुर में एक महीने तक चले सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का हर्षोल्लास के साथ समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में प्रतिभागियों ने शिविर के दौरान सीखी ध्रुवपद, जयपुर घराने का कथक, राजस्थानी लोक नृत्य, बांसुरी जैसी विभिन्न पारम्परिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं, समारोह में प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई प्राचीन आला गिला, आराईश (फ्रेस्को), ठीकरी कला, पारंपरिक पेंटिंग्स की प्रदर्शनी को भी दर्शकों ने खूब सराहा। इस एक माह तक चले शिविर में प्रतिभागियों ने वैदिक ज्योतिष का ज्ञान भी प्राप्त किया। शिविर का आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट द्वारा पारम्परिक कलाओं की प्रतिनिधि संस्था 'रंगरीत' तथा 'सरस्वती कला केन्द्र' के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों का माला पहनाकर और प्रमाण-पत्र देकर सम्मान किया। इस प्रशिक्षण शिविर का समन्वय सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी, चित्रकार रामू रामदेव द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पूर्व राजपरिवार द्वारा हर वर्ष किया जाता है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना तथा पारंपरिक कलाओं का संरक्षण और संवर्धन करना है। इस वर्ष शिविर में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। समारोह की शुरूआत सरस्वती मां की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में पहले डॉ. मधु भट्ट तैलंग के मार्गदर्शन में ध्रुवपद की प्रस्तुति हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भावपूर्ण गायन किया। जिसके बाद, श्री आरडी गौड़ के मार्गदर्शन में बांसुरी वादन की प्रस्तुति हुई। समारोह का समापन डॉ ज्योति भारती गोस्वामी द्वारा निर्देशित जयपुर घराना के 'कथक' और घूमर के सुंदर नृत्य प्रदर्शन के साथ हुआ, जहां विभिन्न आयु समूहों की लड़कियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। प्रतिभागियों को ढूंढाड़ शैली की पारंपरिक चित्रकला की बारीकियों से अवगत कराया गया। यह प्रशिक्षण रामू रामदेव, बाबूलाल मारोठिया, श्यामू रामदेव, लक्ष्मी नारायण कुमावत और यामिनी रामदेव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसके साथ ही, डॉ. नाथूलाल वर्मा ने 'आला गिला' और 'आराईश' का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया। वहीं, हिंदी और अंग्रेजी में 'कैलीग्राफी' तथा 'पोर्ट्रेट' कला का प्रशिक्षण ललित शर्मा के निर्देशन में दिया गया। 'वैदिक ज्योतिष' से प्रतिभागियों को डॉ. ब्रजमोहन खत्री ने परिचित कराया, जबकि शंकर लाल कुमावत एवं बद्री नारायण कुमावत ने 'ठीकरी' कला की बारीकियां सिखाईं। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

योग के माध्यम से स्वस्थ राष्ट्र की ओर बढ़ाया एक कदम

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व दिवस पर योग शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के उपलक्ष्य में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा एक प्रेरणादायक योग शिविर का आयोजन 20 जून 2025, शुक्रवार को श्री राम मंदिर पार्क, बैंक कॉलोनी में किया गया। यह शिविर प्रातः 5:30 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य योग के माध्यम से जन-जन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और एक स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाना था। शिविर में सन टू ह्यूमन फाउंडेशन के प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक निक्की भैया के कुशल निर्देशन में उपस्थित जनसमूह ने ऊर्जा और उत्साह के साथ विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। इस अवसर पर राजस्थान रीजन जयपुर के महासचिव एवं वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज रेखा जैन के नेतृत्व में शिविर का संचालन हुआ। वीर ग्रुप के सचिव पंकज कशिश जैन ने जानकारी दी कि शिविर में महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और सभी ने आनंदपूर्वक झूमते-नाचते योग साधना की। योगाभ्यास के उपरांत प्रतिभागियों को स्वास्थ्यवर्धक एल्कलाइन पेय छाछ वितरित की गई, जो सभी के लिए एक ताजगीभरा अनुभव रहा। यह आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बल देने वाला रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और सामूहिक ऊर्जा का भी प्रतीक बना।

धर्म की रक्षा पवित्र आचरण से : मुनि आदित्य सागर

मुनि आदित्य सागर ससंघ का श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। करते वो हो जो दुख दे, चाहते वो हो जो सुख दे। साधु का प्रवास तब सार्थक है जब उनके वचनों को आप जीवन में उतारे। धर्म का श्रवण करना और उसे जीवन में उतारना, दोनो अलग अलग क्रियाएं है। ये विचार श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर मुनिराज ने शुक्रवार को श्योपुर के चांदनी गार्डन में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि संस्कृति की रक्षा करने के लिए युवाओं को आगे लाना होगा। बच्चे को संस्कार देना माता पिता का कर्तव्य है। भगवान ऋषभ देव ने अपनी दोनो पुत्रियों ब्राही सुन्दरी को पढाकर महिला शिक्षा का संदेश दिया। जिस परिवार में संस्कारों की लगाम ना हो वो परिवार गिर जाता है। यदि मन में रत्नत्रय का दीपक जलाना है तो प्रतिदिन मंदिर जी में शाम को एक दीपक अवश्य जलाए। घर की एवं संस्कारों की रक्षा में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। पवित्र आचरण से ही कुल की रक्षा सम्भव है। घर या विद्यालय से ही आचरण की रक्षा होती है। चातुर्मास धर्म की रक्षा करने के लिए होता है। धर्म की प्रभावना मायाचारी से नहीं होती है। अपने कुल, परिवार एवं धर्म की रक्षा पवित्र आचरण से होगी। अतः अपने आचरण को सुधारे।

बैंड बाजों के साथ चातुर्मास के लिए मुनिश्री जय कीर्ति जी महाराज ससंघ का श्री महावीरजी में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। शुक्रवार को अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी में सांय 4:15 बजे श्रीमहावीरजी में पावन चातुर्मास वर्षायोग के लिए धर्म चक्रवर्ती ध्यान दिवाकर मुनिश्री 108 जयकीर्ति जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश गाजे-बाजे के साथ श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु महिला आश्रम कृष्णाबाई जैन मंदिर से कस्बे के मुख्य बाजार होते हुए श्रीमहावीरजी मुख्य मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश किया। मुख्य मंदिर के द्वार पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, संयुक्त मंत्री पीके जैन, व्यवस्था समिति के सदस्य योगेश टोडरका, मनीष वैद, जय कुमार जैन कोटा वाले अतीव जैन, अंकुर जैन, विष्णु सिकरवार, नेमी कुमार पाटनी, पंडित मुकेश शास्त्री, विकास पाटनी, चंद्रेश कुमार जैन एवं जैन समाज के गणमान्य लोगों ने मुनिश्री के चरण पखार मंगल आरती उतारी। उसके बाद मुनिश्री ने मुख्य मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की चमत्कारिक मूल नायक प्रतिमा के दर्शन किए एवं ध्यान केंद्र का अवलोकन किया। तदुपरांत श्री महावीरजी मुख्य मंदिर के पूर्वी कटला प्रांगण स्थित त्यागी भवन में चातुर्मास के लिए भव्य मंगल प्रवेश किया। मुनिश्री जयकीर्ति जी महाराज चातुर्मास व्यवस्था समिति की संचालिका विधि विधान विशारद बाल ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी ने बताया कि इस बार मुनिश्री का पावन वर्षायोग श्रीमहावीरजी में ही होगा एवं वर्षा योग के पावन अवसर पर अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुनिश्री के सैकड़ों भक्तों ने एवं जैन समाज के गणमान्य लोगों ने पाद प्रक्षालन करके मंगल आरती उतार कर आशीर्वाद लिया।

श्री संजय-कविता जैन ठोलिया

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

21 जून' 25

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

आज 21 जून को सबसे बड़ा दिन और सबसे छोटी रात होगी

आज से शुरू होंगे दक्षिणायन

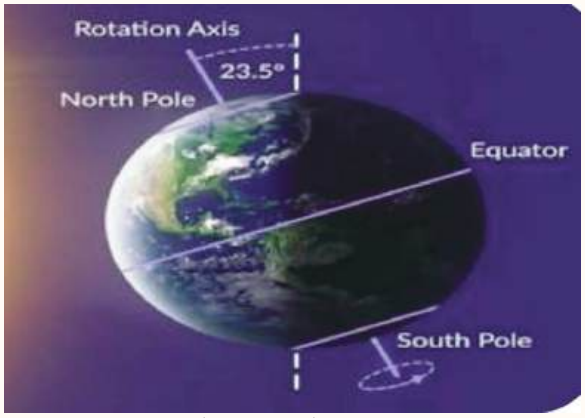

मुरैना (मनोज जैन नायक)

भारत में 21 जून को सबसे बड़ा दिन और सबसे छोटी रात होगी। आज से ही दक्षिणायन शुरू होंगे। 21 जून को प्रातः 08:11 बजे सूर्य सायन कर्क राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायन होंगे । इसी दिन से वर्षा ऋतु का आरंभ होता है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने बताया कि 21 जून को भारत में सबसे बड़ा दिन का मान होगा और रात सबसे छोटी होगी इसके बाद से दिन धीरे-धीरे छोटे होते जाएंगे और रात बड़ी होती जाएंगी। जैन ने कहा उत्तरी गोलार्ध में 21 जून को सबसे बड़ा दिन और सबसे छोटी रात होगी जबकि उत्तरी गोलार्ध में 22 दिसंबर को सबसे बड़ी रात और दिन का मान सबसे कम रहता है। 23 सितंबर को पृथ्वी की भूमध्य रेखा बिल्कुल सूर्य के सामने पड़ती है जिससे दिन और रात बराबर होते हैं। 21 जून के बाद दिन छोटे होते होते 9 घंटे 36 मिनट के और रातें बड़ी होते-होते 14 घंटे 24 मिनट तक किन्हीं स्थान पर हो जाते हैं । 21 जून को सूर्य उत्तरी गोलार्ध में कर्क रेखा पर लंबवत होता है इसलिए इस दिन का दिनमान ज्यादा और रात का रात्रि मान कम रहता है । 21 जून को दोपहर का समय ऐसा भी आएगा कि व्यक्ति को स्वयं की परछाई भी दिखाई नहीं देती । कर्क रेखा मध्यप्रदेश के भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, शहडोल, शहरों से और राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल के राज्यों से गुजरती है । अब इस दिन से सूर्य सायन कर्क राशि से सायन धनु राशि तक 6 माह तक दक्षिणायन रहेंगे। इस वजह से विवाह, गृह प्रवेश, देवप्रतिष्ठा आदि शुभ कार्यों पर भी इस समय प्रतिबंध रहेगा।

कहां कितने घंटे का दिन होगा

ग्वालियर में 13 घंटे 44 मिनट का दिन और रात्रि 10 घंटे 16 मिनट की, भोपाल में 13 घंटे 31 मिनट का दिन और रात्रि 10 घंटे 29 मिनट की, उज्जैन में भी 13 घंटे 31 मिनट का दिन और रात्रि 10 घंटे 31 मिनट के, दिल्ली में 13 घंटे 56 मिनट का दिन और रात्रि 10 घंटे 04 मिनट की होगी । इस दिन उत्तरी गोलार्ध में मौजूद सभी देशों में दिन अधिकतम बड़े और रातें अधिकतम छोटी रहती हैं । इस कारण से इन शहरों में और देश में भयंकर गर्मी रहती है । इसके उलट दक्षिणी गोलार्ध में रहते हैं अधिकतम बड़ी और दिन अधिकतम छोटे होने के साथ उन देशों में और उन शहरों में सर्दी ज्यादा होती है और गर्मी कम होती है।

जेएसजी शेखावाटी ग्रुप द्वारा आयोजित योग एवं ध्यान शिविर में पौधे भेंट किए

सीकर. शाबाश इंडिया

20 जून 2025 जैन समाज की अग्रणी संस्था जेएसजी शेखावाटी ग्रुप द्वारा स्थानीय जैन भवन में योग एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन 100 से अधिक महिला पुरूषों ने भाग लिया जैन समाज के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि 18 जून से 21 जून तक चार दिवसीय इस आयोजन के दूसरे दिन विभिन्न समाज के लोग सम्मिलित हुए । ग्रुप के अभय सेठी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलन से किया गया।दीपप्रज्वलन शिविर पुण्यार्जक मनोज सरिता पाटोदी परिवार, पदम कुमार अभय कुमार सेठी परिवार एवं कार्यक्रम अतिथि भाजपा के रतनलाल सैनी, एडवोकेट अंकुर बहड़, पदमचंद पिराका,मुकेश अग्रवाल, विजयपाल सिंह राजकुमार चारणवास, ईश्वर दोदराजका और सीए महेश काबरा द्वारा किया गया । इस दौरान कार्यक्रम संयोजक अनिल अजंता काला ,गौतम टीना काला के अनुसार जयपुर से आयी प्रोफेशनल टीचर कविता जैन ने बताया की आज हर व्यक्ति टेंशन में जी रहा है उसको योगा के माध्यम से इस टेंशन को दूर करने का उपाय बताया । ग्रुप के मंत्री दीपक संगही ने बताया कल विश्व योगा दिवस पर हर व्यक्ति को योगा करने का संकल्प दिलाया जाएगा, आज ग्रुप द्वारा 20 से ज्यादा पौधे वितरित किये और हर व्यक्ति को एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान जेएसजी शेखावाटी ग्रुप के आलोक पाटनी आशीष ऋतु जयपुरिया , मनोज सरिता पाटोदी दीपक राजश्री संगही अनिल अजंता काला गौतम टीना काला,सौरभ पाटनी, सुनील छाबड़ा,अभय सेठी सुमित पहाड़िया, विनय कालिका, विनोद दीवान, अभिनव सेठी, हितेश बाकलीवाल दिनेश सेठी उपस्थित थे।

समाज के प्रत्येक प्राणी को संगठित रहना चाहिए : आर्यिका विशुद्ध मति माताजी

आर्यिका विशुद्ध मति एवं विज्ञमति माताजी गांव बरोनी पहुंचे, बरसात में भी बढ़ते कदम सवाई माधोपुर की ओर

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में शुक्रवार को भारत गौरव गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी एवं आर्यिका विज्ञ मति माताजी का निवाई से बरोनी के लिए मंगल विहार हुआ आर्यिका माताजी के मंगल विहार में अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी का संघ निवाई से सुबह श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर इन्द्रा कालोनी विस्तार, वैयरहाऊस पहाड़ी चुंगी नाका होते हुए गांव बरोनी पहुंचे जहां अरविन्द ककोड़, नवरत्न टोंग्या, बंटी कठमाणा, अर्पित लटुरिया, विमल पाटनी, अशोक सिरस, नेहरू बड़ागांव, राहुल लटुरिया, सुशील गिन्दोडी, त्रिलोक रजवास, विमल कठमाणा, मुकेश बनेठा, मनोज पाटनी, अनिल जैन, हर्षित संधी, मनीष जैन, सहित समाज के लोगों द्वारा बरोनी में स्थित कमल मोटर्स पर पाद प्रक्षालन करके अगुवानी की। जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी बरोनी से पराणा शिवाड़ होते हुए सवाई माधोपुर पहुंचेंगे। इस अवसर पर आयोजित भारत गौरव गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति एवं विज्ञमति माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने बहुमुखी व्यक्तित्व का विकास करने एवं परिवार समाज राष्ट्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित बनने के लिए संगठन की परम आवश्यकता है एवं समाज के प्रत्येक प्राणी को संगठित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस ब्रह्माण्ड का प्रत्येक प्रदेश प्रत्येक क्षेत्र प्रवाहित होती हुई सरिताएं तथा लहलहाते वृक्ष हमें संगठन की सम्मिलिन की एकता के सूत्र में बंधने की प्रेम की और वात्सल्य की शिक्षा दे रहे हैं। फिर भी हम निरन्तर विषमताओं के विद्वेष के पार्टी पालिटिक्स के पंथ के और पक्षपात के धेरे में बंधकर मेत्री भावना का हनन कर रहे हैं। आर्यिका माताजी ने कहा कि धर्म एवं कर्म दोनों ही क्षेत्रों में समुचे विश्व का नैतिक समाज एक वात्सल्य के सूत्र में बंधकर सत्य अहिंसा मय वीतराग धर्म के केसरिया ध्वज को तीनों लोकों में फहराते हुए आत्म गुणों को संगठित करें।

वेद ज्ञान

संसार का निर्माण करने में मां का योगदान

जन्म देने वाली सत्ता व शक्ति का नाम माता है। सारा संसार वा मनुष्य अपनी अपनी माताओं से उत्पन्न होते वा जन्म लेते हैं। यदि मां न होती तो संसार में कहीं मनुष्य व अन्य प्राणी जो माताओं से उत्पन्न हुए हैं, दिखाई न देते। यह सृष्टि यदि चल रही है तो उसमें जन्मदात्री मां की भूमिका सर्वापरि अनुभव होती है। मनुष्य की अनेक मातायें होती है। ईश्वर भी हमारी माता है। वेदों में ईश्वर को माता कहा गया है। ईश्वर संसार में सभी माताओं की भी माता है। उसी ने इस सृष्टि वा भूमि माता को बनाया है। हमारी यह भूमि माता सूर्य के चक्र लगाती है। इस कारण भूमि को सूर्य की पुत्री कह सकते हैं। वैज्ञानिक लोग भूमि को सूर्य से पृथक हुआ एक हिस्सा ही मानते हैं। इससे भी भूमि सूर्य से उत्पन्न होने से सूर्य की पुत्री कही जा सकती हैं। भूमि माता और हमारी जन्मदात्री माता के समान ही गौ माता भी है जो अपने अमृततुल्य दुग्ध व बैल आदि से हमारा पोषण करती है। वैदिक धर्म व संस्कृति में गोपालन को आवश्यक बताया गया है। जो गोपालन करेगा वह गौमाता के शुद्ध दुग्ध को प्राप्त कर सकता है और उस दुग्ध के गुणों से उसका शरीर निरोग व बलिष्ठ बनकर जीवन में सफलतायें व साध्य को प्राप्त कर सकता है। गौदुग्ध से मनुष्य की बुद्धि को भी शक्ति मिलती है। प्राचीन काल से हमारे गुरुकुलों में गोपालन को अनिवार्य रूप से करने और गौमाता के दुग्ध का ही सेवन करने की परम्परा है। योगेश्वर कृष्ण जी का गोपालक होना प्रसिद्ध ही है। उनका तो एक नाम भी गोपाल कहा जाता है। गौदुग्ध वा गोपालन के ही कारण ही हमारे देश में वेद ऋषि उत्पन्न होते थे और हमारा देश विश्व में धर्म व संस्कृति का ज्ञान देने वाला प्रथम व अग्रणीय देश था। वेदों की उत्पत्ति का गौरव भी ईश्वर ने भारत व इसके प्राचीन नाम आर्यावर्त्त को ही प्रदान किया है। हम मनुष्यों की बात कर रहे हैं। सभी मनुष्यों की एक माता होती है जिसने हमें जन्म दिया है। हम जीवात्मा के रूप में माता के गर्भ में आते हैं और फिर वहां दस मास तक रहकर एक शिशु के रूप में विकसित होकर जन्म लेते हैं। इस दस मास में माता को कितने कष्ट उठाने पड़ते हैं इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। जन्म के बाद भी सन्तान के पालन में माता को अनेक प्रकार के कष्ट उठाने पड़ते हैं।

संपादकीय

दिल्ली का घुट रहा दम

यह लापरवाही नहीं तो और क्या है कि देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली ने राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के तहत मिली राशि का एक तिहाई से भी कम खर्च किया है। ऐसे में यहां स्वच्छ वायु की उम्मीद कैसे की जा सकती है। अगर यहां के बाशिंदों को साफ हवा नहीं मिलती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? प्रदूषण और तापमान का जनजीवन पर संयुक्त प्रभाव वास्तव में चिंता का विषय है। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि गर्मी और प्रदूषण का एक साथ होना सुरक्षित प्राकृतिक हवा के अवसरों को सीमित कर देता है। सीईपीटी विश्वविद्यालय और जलवायु प्रौद्योगिकी कंपनी की इस अध्ययन रपट को हमें गंभीरता लेना होगा। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में हर वर्ष लगभग 2,210 घंटे ऐसे होते हैं, जब तापमान 18 से 31 डिग्री के बीच रहता है। इस दौरान 1,951 घंटे ऐसे होते हैं, जब वायु गुणवत्ता खराब होती है। यानी 259 घंटे ही लोगों को साफ हवा मिल पाती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का नागरिकों की सेहत पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। एक तरफ उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है, तो दूसरी ओर असहज तापमान के जोखिम से भी बचना है। कुछ शहरों की स्थिति दिल्ली से बेहतर जरूर हो सकती है, लेकिन भविष्य में वहां भी यही समस्या गहराने वाली है। लिहाजा, इन परिस्थितियों में जीने की आदत डालने के बजाय इस चुनौती का सामना करने के लिए कुछ नए उपाय करने होंगे। ऐसे सुझाव भी दिए जा रहे हैं कि घर इस तरह से बनाए जाएं, जहां ऊर्जा की बचत के साथ हवा का बेहतर प्रवाह हो। सेहत और सुकून के लिए अब जरूरी है कि शहरों और महानगरों में मौसम के अनुकूल नए भवन बनें और पुराने घरों में पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था हो। इससे स्वच्छ हवा अधिक मिल सकेगी। इस दिशा में गंभीरता सोचने का वक्त आ गया है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बढ़ती चुनौतियां

इन दिनों भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में एमएसएमई की चुनौतियों के बीच मौके भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार एमएसएमई की चुनौतियों को दूर करने की डगर पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार एमएसएमई से निर्यात बढ़ाने के लिए एक नई स्कीम लाने पर विचार कर रही है। खासतौर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई की अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश निर्यातक इकाइयां अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नये सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों के मद्देनजर एमएसएमई के बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी माना जा रहा है। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड नये रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है। कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसद है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसद उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से है। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। अतएव नये अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नये सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में हुई चोरी के विरोध में सकल जैन समाज ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सकल जैन समाज, ब्यावर द्वारा अजमेर रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में हाल ही में हुई चोरी की घटना के विरोध में आज जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया। जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने जानकारी दी कि प्रातःकाल समाज के महिला-पुरुष सदस्यों ने मौन जुलूस निकालकर महावीर सर्किल अजमेरी गेट से जिला कलेक्टर कार्यालय तक शांति पूर्वक मार्च किया। इस मौन जुलूस में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। ज्ञापन में बताया गया कि दिनांक 14 जून 2025 को श्री पार्श्वनाथ मंदिर में चोरों द्वारा प्राचीन श्री शांतिनाथ भगवान की मूर्ति, चांदी के छत्र, चांदी के कलश*, व अन्य महत्वपूर्ण पूजनीय वस्तुएं चोरी कर ली गईं। यह घटना सम्पूर्ण जैन समाज की धार्मिक भावनाओं पर आघात है और समाज गहरे आक्रोश में है। समाज की मांग है कि चोरों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। चोरी गई वस्तुएं जल्द से जल्द बरामद की जाएं। मंदिरों की सुरक्षा हेतु ठोस उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस ज्ञापन को देने के दौरान समाज की एकता और न्याय की माँग का सामूहिक प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारीगण, युवक संगठन, महिला मंडल व विभिन्न जैन संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला, पारस कासलीवाल, सजय रावका, मंत्री दिनेश अजमेरा, नितिन छाबड़ा, संजय गंगवाल, विजय फागीवाला, सुमन धगड़ा, प्रकाश गदिया, राजू ओस्तवाल, अमित गोधा महावीर बाफना, अशोक रांका, पीयूष रांका, संजय नाहर, राजू सेठिया, मनीष मेहता, राहुल ओस्तवाल, भूपेश भंसाली, विकल कासलीवाल, कमल रावका, विरेन्द्र गोधा, जम्बू कासलीवाल, कैलाश बड़जात्या, संदीप पाटनी, अक्षत कटारिया, कमल जैन, महेन्द्र जैन, प्रवीण गोधा, मनोज पाटोदी, रूपचंद्र कासलीवाल, आशीष बाकलीवाल, डॉ. हर्षवर्धन भगत, प्रकाश मकाणा महेन्द्र जैन प्रमोद रावका, राजू रावका, शरद फागीवाला, राकेश गोधा, जीतू जैन, मनोज सोगानी, श्रेणिक छाबड़ा, हरीश जैन, प्रद्युम्न जैन, सुशील बड़जात्या, अरुण शास्त्री, धनश्याम दास शास्त्री, सुनील जैन जम्बू कुमार रावका, नवीन बाकलीवाल सुधीर पाटनी, सुदेश पाटनी, रमेश रावका, मनीष सोनी, यश जैन, संजय जैन, अनिल बाकलीवाल मोहित जैन, सुभाष कटारिया, सनत कासलीवाल, संतोष कासलीवाल, महेश रावका, रितेश फागीवाला, अकित रावका पवन जैन, श्रीपाल अजमेरा, राजेंद्र गोधा, संजय काला, आशीष गदिया, सुनील रावका, सिद्धार्थ श्रीश्रीमाल, उज्ज्वल काला, मुकेश जैन, पंकज डेडिया अनिल गंगवाल विनोद रावका सहित जैन समाज के श्री दिगंबर जैन पंचायत श्री मारवाड़ी दिगंबर जैन पंचायत,श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर,श्री विधा सागर युवा संगठन,श्री दिगंबर जैन युवा मंडल, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन युवा मंडल ,श्री पार्श्वनाथ महिला मंडल श्री आदिनाथ महिला मंडल श्री ज्ञानोदय महिला एवं श्री बहू मंडल श्री विद्या महिला मंडल श्री दिगंबर जैन महासमिति,श्री दिगंबर जैन पुरुष महासमिति श्री जैन सोशल ग्रुप सनसाइन, नवकार, सपाकर तथा अन्य सभी जैन संगठनों के महिला व पुरुष सदस्यगण उपस्थित रहे।

दीपिका जैन मदुरै तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष मनोनीत हुई

मदुराई (तमिलनाडु)। तेरापंथ भवन में तेरापंथ महिला मंडल की साधारण सभा सम्पन्न हुई प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत सिंमदर स्वामी की स्तुति एवं प्रेरणा गीत से की। महिला मंडल की अध्यक्ष लता कोठारी ने स्वागत करके दो साल के कार्यकाल में हुए कार्य से अवगत कराया। चुनाव सम्बंधित जानकारी देकर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष नयना पारख ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया । उपाध्यक्ष मधु पारख ,मंत्री सुनीता कोठारी ने कार्यकाल मे हुए कार्यशालाओं की संक्षिप्त में जानकारी दी । चुनाव अधिकारी चंदादेवी अंचलिया की अध्यक्षता में दीपिका फुलफगर को दो वर्ष के लिए मदुरै तेरापंथ महिला मंडल के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया । सभी ने बधाई दी। इस दौरान सभा अध्यक्ष गौतमचंद गोलेछा, निवृतमान अध्यक्ष अशोक जीरावला, अमृतलाल चोपड़ा सहित महिला मंडल संरक्षिका चंद्रकांता कोठारी ने मंडल द्वारा किए कार्य की प्रशंसा करते हुए विचार व्यक्त किए एवं निर्वाचित अध्यक्ष का दुप्पटा व माला पहनाकर सम्मान करके बधाई दी । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री सुनीता कोठारी ने व्यक्त किया।

श्री दिगंबर जैन नसिया में शिखरो पर ध्वज दंड स्थापित किए

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन नसिया में शुक्रवार को प्रातःकाल गगन चुंबी शिखरो के ऊपर अनिल कुमार लावा के द्वारा रिद्धि सिद्धि मित्रों के साथध्वज दंड स्थापित किये गए । इस अवसर पर पुणयार्जक परिवार त्रिलोक चंद, ज्ञानचंद, राजेश कुमार, अशोक कुमार ,पुनीत कुमार, मोहित कुमार, अंशुल कुमार, शुभम्-कुमार बोरदा वाले आर टी परिवार और लालचंद, देवेंद्र कुमार, कुंदन कुमार जैन आंडरा ने रिद्धि सिद्धि मित्रों के साथ मंगल ध्वजदंड स्थापित किया। इस अवसर पर समाज के मंत्री महावीर प्रसाद देवली, सुरेश संघी, नरेंद्र फागी आदि समाज के गणमान्य बंधु उपस्थित रहे।

जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर नमिनाथ भगवान का मनाया जन्म- तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि कस्बे के चकवाड़ा रोड पर स्थित त्रिमूर्ति जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक करने के बाद समाज की ओर से सामूहिक शांतिधारा कर अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर विभिन्न तीर्थंकरों के अर्घ्य अर्पित किए कार्यक्रम में आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य इन्द्रनंदी जी महाराज,आर्यिका श्रुतमति माताजी, सुबोध मति माताजी, एवं जिनवाणी माता केअर्घ्य अर्पित करने के बाद जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर नमिनाथ भगवान का जन्म -तप कल्याणक महोत्सव का अर्घ्य चढ़ाकर विश्व में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई,कार्यक्रम में महिला मंडल की मुन्ना कासलीवाल एवं शिमला नला ने बताया कि नमिनाथ भगवान के पिता का नाम विजय और माता का नाम सुभद्रा था इनका जन्म मिथिला में हुआ था इनका प्रतीक चिन्ह नीलकमल है, समाज की निर्मला बजाज एवं पारसी कागला ने बताया कि नमिनाथ भगवान ने लोगों को सम्यक ज्ञान प्राप्त करने और आत्मा की शुद्धि पर ध्यान करने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्होंने संस्कारिक दुखों से मुक्ति पाने के लिए अहिंसा, आत्म नियंत्रण और कर्मों के नाश पर जोर दिया। कार्यक्रम में समाज सेवी रामस्वरूप जैन मंडावरा, रामस्वरूप मोदी, भागचंद कासलीवाल, सुरेंद्र पंसारी, पदम बजाज, सुरेश मंडावरा, कमलेश मंडावरा, मुकेश नला,एडवोकेट विकास नला, पवन मोदी, तथा राजाबाबू गोधा एवं महिला मंडल की विमला मोदी, मुन्ना कासलीवाल, शिमला नला, सुनिता पंसारी,पारसी कागला, निर्मला बजाज, मंजू मड़ावरा, मैना कलवाड़ा, संजू नला ,प्रीति कठमाणा, त्रिशला नला सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

तालफाईसर ओपन रैपिड चैस टूर्नामेंट का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। ओपन रैपिड चेस टूर्नामेंट 20/06/2025 को वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल मानसरोवर जयपुर में आयोजित हुई । टूर्नामेंट डायरेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि राजस्थान जैन युवा महासभा के संयुक्त सचिव जिनेश कुमार जैन एवं दोसा शतरंज सचिव कृष्ण गोपाल शर्मा ने प्रथम चाल चलकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस टूर्नामेंट में कुल 21,000/- रुपयों की इनामी राशि पुरस्कार के रूप में दी जायेगी और राज्य भर से 151 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया है। प्रतियोगिता में अंडर 7, 9, 11, 13, 15 बेस्ट बोएज और बेस्ट गर्लस खिलाड़ियों को भी पुरस्कार दिये जाएंगे।

आप इच्छापूर्ति के लिए जीवन जीते हैं, दिगम्बर संत इच्छाओं को जीतने के लिए साधना करते हैं : आचार्य श्री विमर्शसागर जी

दो आचार्य संघ का हुआ एक साथ मुजफ्फर नगर में भव्य मंगल प्रवेश

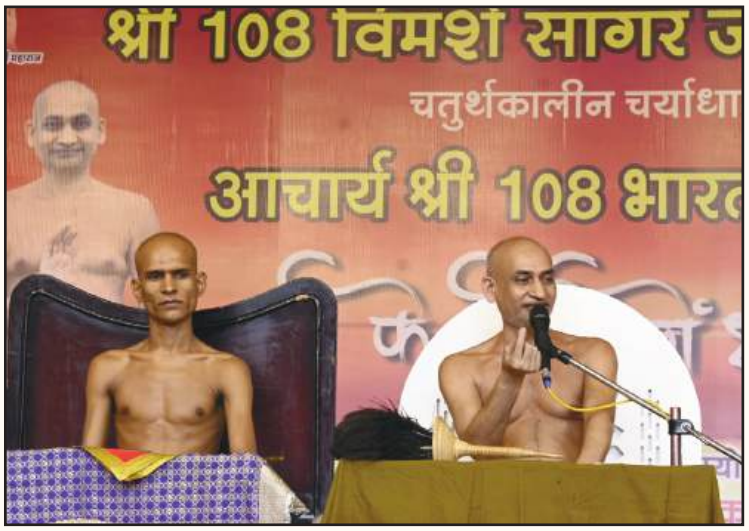

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

मुजफ्फर नगर। शाब्दिक उपदेशों से भी अधिक शिक्षा व संस्कार जनमानस को तब प्राप्त होता है जब दो संत वात्सल्य भाव के साथ परस्पर आत्मीय मिलन करते हैं। जनसमूह को बिना बोले ही ''जीवन कैसे जीना चाहिए'' यह सदुपदेश प्राप्त हो जाता है। ऐसा ही शुभ पावन दृश्य 19 जून की प्रातः बेला में धर्मनगरी मुजफ्फर नगर में देखने को मिला, जब अतिशय क्षेत्र वहलना से पद विहार करते हुए आ रहे ''जीवन है पानी की बूंदै महाकाव्य के मूल रचनाकार'' जिनागम पंच प्रवर्तक आदर्श महाकवि संघ शिरोमणि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज (ससंघ उउपीदी) एवं परमपूज्य पाठशाला प्रेरक, शिखरजी आंदोलन प्रणेता आचार्य श्री भारतभूषण जी मुनिराज का धर्मधरा मुजफ्फर नगर में महामंगल मिलन के साथ दोनों आचार्य संघों का एकसाथ महामंगल भव्य प्रवेश महानगर में हुआ। ज्ञातव्य हो कि भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज (ससंघ 33 पीछी) का धर्मनगरी मुजफ्फरनगर में प्रथम बार पदार्पण हुआ। स्थानीय जैन समाज ने बढ़-चढ़कर विशाल जन समूह के साथ आचार्य संघ की भव्यातिभव्य मंगल आगवानी की। नगर के व्यस्ततम मार्गों से पदविहार करते हुए गुरुवर जिन मंदिरों के दर्शन करते हुए प्रेमपुरी के जैन मंदिर में मंगल परार्पण हुआ। धरम पूज्य आचार्य प्रवर भावलिंगी संत श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज ने विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा रागद्वेष मिटाना है, आतम शुद्ध बनाना है।

वीतरागता अनुभव कर जीवन सफल बनाना है।

भावों की शुद्धि, हो-हो-2, ही धर्म कहाए रे.

जीवन है पानी की बूंद, कब मिट जाए रे..

आप अपने जीवन में मात्र इच्छायें ही पैदा करते रहते हैं और उन इच्छाओं की पूर्ति में ही अपना सम्पूर्ण जीवन समाप्त कर देते हैं। इस जगत में कभी भी आज तक किसी की भी इच्छायें पूरी नहीं हुई है फिर भी आपकी इच्छाये बेलगाम बड़ती जाती हैं और आप पूरे जीवन भर बेतहाशा भागते रहते हैं परन्तु खेद है आपकी इच्छायें पूरी नहीं होती है और आपको अंत में दुःख ही उठाना पड़ता है। बन्धुओं ! एक संत और संसारी प्राणी में यही तो अंतर है कि एक संत चाहता है कि मेरे अंदर जितनी इच्छायें हैं वे सब नष्ट हो जायें और आप सब संसारी जीव बाहते हैं कि मेरी इच्छायें कैसे पूरी होगी, ऐन-केन प्रकारेण मेरी इच्छा की पूर्ति होनी चाहिएण ध्यान रखना, भगवान जिनेन्द्र देव महावीर स्वामी कहते हैं -मोहनीय कर्म के कारण संसारी जीव के अंदर इच्छायें उत्पन्न होती है जो मात्र दुःख ही देती हैं।

बन्धुओं ! मैं यह नहीं कह रहा कि आप सब घर परिवार, इच्छायें छोड़कर संत-महात्मा बन जायें वैसे सच कहूँ तो एक संत की करुणा यही होती है, वे यही चिंतन करते हैं कि सभी प्राणी दिगम्बर श्रमण बनकर अपनी आत्मा को परमात्मा बनायें। किन्तु यदि आप इच्छाओं को त्याग न सकें तो भी अपनी इच्छा को आप सीमित करके धर्मध्यान के अनुकूल इच्छाओं को रखकर आत्म कल्याण के मार्ग पर संलग्न हो सकते हैं। अपने अन्दर उठने वाली इच्छाओं को पहिचान कर आप अशुभ इच्छाओं को, अनर्थकारी इच्छाओं को त्यागकर शुभ, हितकारी इच्छायों को पैदाकर अपने जीवन से दुःखों को अलविदा कह सकते हैं। आपकी इच्छायें जितनी सीमित होंगी, जीवन में आनंद बढ़ता चला जाएगा।

योग : ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' की अवधारणा में समग्र मानव कल्याण की दिशा

लेखक - मयंक जैन ''मंगलायतन विवि अलीगढ''

योग, भारतीय संस्कृति की एक प्राचीन परंपरा है जो हजारों वर्षों से न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानव जीवन को एक नवीन दृष्टिकोण प्रदान कर रही है। यह केवल शारीरिक व्यायाम या व्यायाम की एक तकनीक मात्र नहीं है, बल्कि यह एक समग्र जीवनशैली है, जो शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक सभी स्तरों पर व्यक्ति के व्यक्तित्व को परिपक्व बनाती है। 21 जून को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है, और वर्ष 2025 की थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' इस तथ्य की पुनः पुष्टि करती है कि योग का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, पारिस्थितिक और वैश्विक स्तर पर संतुलन स्थापित करने का माध्यम भी है।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य: एक व्यापक दृष्टिकोण

इस विषयवस्तु की मूल भावना यह है कि जब तक पृथ्वी का पारिस्थितिक तंत्र संतुलित नहीं होगा, तब तक मानव स्वास्थ्य भी संतुलित नहीं रह सकता। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जैव विविधता का क्षरण, और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन न केवल पर्यावरण संकट को जन्म देता है, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। ऐसे में योग केवल व्यायाम न होकर, चेतना का जागरण है—एक ऐसी जीवनदृष्टि जो संतुलन, अनुशासन, संयम और आत्मानुशासन को प्रोत्साहित करती है।

योग का बहुआयामी प्रभाव: योग के प्रभाव को यदि शैक्षणिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह जैविक, मानसिक और सामाजिक तीनों स्तरों पर कार्य करता है। जैविक स्तर पर: योगासन, प्राणायाम, और ध्यान शरीर की अंतः क्रिया को संतुलित करते हैं, रक्त संचार, पाचन, और तंत्रिका तंत्र को सशक्त बनाते हैं।

मानसिक स्तर पर: योग मन की चंचलता को स्थिर करता है, चिंता, अवसाद और तनाव को कम करता है।

सामाजिक स्तर पर: योग सामाजिक समरसता, करुणा, और सहअस्तित्व की भावना को प्रोत्साहित करता है, जिससे एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण होता है।

जैन दर्शन और योग: आत्मा की शुद्धि की साझा साधना: भारतीय दार्शनिक परंपरा में योग के विविध रूप मिलते हैं, जिनमें जैन योग साधना एक विशिष्ट स्थान रखती है। जैन धर्म में योग का उद्देश्य मोक्ष की ओर अग्रसर होना है। जैन दर्शन में योग का तात्पर्य केवल शरीर की क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह आत्मा की शुद्धि, संयम, और तप की दिशा में अग्रसर एक साधना है।

जैन ग्रंथों के अनुसार, ''योगो आत्मगुणानां भावः'' अर्थात योग आत्मा के गुणों की अभिव्यक्ति है। महावीर स्वामी ने ध्यान, मौन, अपरिग्रह, और आत्मनिरीक्षण को मोक्षमार्ग के चार मुख्य स्तंभ माना। उनका यह कथन 'अप्पा खम्मे' (स्वयं ही शरण है) योग के स्वाध्याय और आत्मदर्शन के मूल सिद्धांत से पूर्णतः मेल खाता है।

अहिंसा और योग: परस्पर पूरक अवधारणाएं: जैन धर्म के मूलभूत सिद्धांत ''अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह'' योग के यम और नियम से पूर्णतः समन्वित हैं। योग हमें अपने भीतर करुणा, क्षमा, सहिष्णुता और सत्त्विकता के गुणों को विकसित करने की प्रेरणा देता है। जब व्यक्ति योग के माध्यम से आत्मा के समीप पहुंचता है, तो वह अन्य जीवों के प्रति संवेदनशील और सह-अस्तित्व की भावना से ओत-प्रोत बनता है। यही जैन धर्म का मूल उद्देश्य भी है। समस्त जीवों के प्रति मैत्री और दया का भाव।

समकालीन परिप्रेक्ष्य में योग की उपयोगिता

आज की दुनिया बहुआयामी संकटों से जूझ रही है-शारीरिक बीमारियां, मानसिक अवसाद, सामाजिक तनाव और पारिस्थितिक असंतुलन। कोरोना महामारी ने हमें यह स्पष्ट रूप से सिखाया कि हमारी भौतिक प्रगति तब तक सार्थक नहीं जब तक हम आंतरिक रूप से स्वस्थ, संतुलित और जागरूक न हों। ऐसे में योग एक वैज्ञानिक, दार्शनिक और व्यावहारिक उपकरण के रूप में उभरता है, जो मानव मात्र को न केवल स्वास्थ्य प्रदान करता है, बल्कि उसे एक उत्तरदायी और आत्मानुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

सारांश और संदेश: इस योग दिवस पर हमें योग को केवल औपचारिकता या प्रतीकात्मकता तक सीमित न रखकर इसे एक दैनिक अभ्यास बनाना होगा। यह जीवन के हर स्तर व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और वैश्विक पर संतुलन और स्वास्थ्य का मार्ग है। योग और जैन दर्शन के समन्वित अभ्यास से जो व्यक्ति संयमित, सादगीपूर्ण और चिंतनशील जीवन की ओर अग्रसर होगा, तब ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' की संकल्पना वास्तव में साकार होगी।

ऑनलाइन योग कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ

विद्यार्थियों और अभिभावकों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

''योग आत्मा की यात्रा है—
आत्मा के माध्यम से, आत्मा तक।''

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 20 जून 2025 को सुबोध पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए एक ऑनलाइन योग कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जूम के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला की शुरूआत में विद्यार्थियों को योग के महत्व और लाभों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें यह समझाया गया कि कैसे योग हमारे जीवन में एकाग्रता, लचीलापन, मानसिक स्थिरता एवं शारीरिक सुदृढ़ता को बढ़ाने में मदद करता है। यह विशेष रूप से बच्चों के प्रारंभिक विकास के लिए लाभकारी है। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने निम्नलिखित योगासन सीखे और अभ्यास किए: ताड़ासन वृक्षासन, भुजंगासन, नौकासन बालासन, अनुलोम-विलोम (प्राणायाम) सत्र को इस प्रकार डिजाइन किया गया था कि वह बच्चों के लिए सरल, रोचक और ऊर्जा से भरपूर हो। विद्यार्थियों ने पूरे मनोयोग से अभ्यास किया, और अभिभावकों ने भी इसे एक उपयोगी बताया। कार्यशाला का समापन एक शांत ध्यान सत्र के साथ हुआ। समस्त सत्र ने यह संदेश दिया कि ''योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है जो शांति और संतुलन की ओर ले जाती है।'' विद्यालय प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए शिक्षकों और अभिभावकों का आभार प्रकट किया तथा भविष्य में भी ऐसे सत्रों के आयोजन की योजना जताई।

राखी शुक्ला: मीडिया कॉर्डिनेटर

ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर बहुत ही उपयोगीः बसंत जैन

आत्म निर्भर महिला मंच का समर कैम्प का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आत्मनिर्भर महिला मंच की ओर से 25 दिवसीय निशुल्क समर कैंप का समापन साइंस पार्क में किया गया ' उसमें मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज के चेयरमैन व श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महासभा श्रुत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बसंत जैन बैराठी व राकेश गुप्ता कैलेंडर हाउस रहे । समाजसेवी विष्णु जायसवाल, नाहरगढ़ रोड मनिहारी बाजार व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश अग्रवाल , श्री वंदना फाउंडेशन की अध्यक्ष पूजा शर्मा आदि गणमान्य लोग अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।मुख्य अतिथि के पद से प्रसिद्ध समाज सेवी बसंत जैन में कहा कि ग्रीष्म कालीन अवकाश में विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविरो में बालक, बालिकाएं व महिलाओ का सर्वांगीण विकास होता है ।उन्हें अपनी अपनी रुचि के अनुसार बहुत कुछ सीखने को मिलता है, जो रोजगार के अवसर प्रदान करने में सहायक होता है ' संस्था की संस्थापक अध्यक्ष माधवी अग्रवाल ने बताया की इस समर कैंप में डांस ,सिलाई, मेहंदी एरोबिक्स ,सेल्फ डिफेंस आर्ट एंड क्राफ्ट योग इत्यादि में 400 बालक बालिकाओं ने प्रशिक्षण लिया ' संस्था के संरक्षक मंगल अग्रवाल ने बताया कि इसमें सभी टीचरों ने एवं संस्था की पदाधिकारियो एवं सदस्यों ने निस्वार्थ भाव से निशुल्क सेवाए दी ' डांस में धर्मेश योगी व मंजू योगी ने , मेहंदी और ब्यूटीशियन में कविता त्यागी, उर्मिला पारीक व जयेश योगी ने सभी को शानदार प्रशिक्षण दिया ' संस्था की उपाध्यक्ष राधा महेश्वरी रिंकू नामा ,भावना , दीपा धनोपिया ,रिया नाटा ,मनस्वी अग्रवाल एवं कनिष्का अग्रवाल ने भी अपनी सेवाएं दी। कार्यकम में बच्चों ने योग, नृत्य , सेल्फ डिफेंस आदि पर आकर्षक प्रस्तुतियां दी ।सभी वर्गों में विजेताओं को सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस व पर्स व गिफ्ट आइटम बनाने वाली एम एस एम ई कंपनी कलांकित ने विजेताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान किए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

इन्दौर नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर । प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित इंदौर नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप द्वारा 19 जून से शिक्षा सहयोग छात्रवृत्ति वितरण व रियायती मूल्य पर कापीयो वितरण शहर के विभिन्न जिनालयों पर फेडरेशन एवं समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ । फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप इंदौर नगर ग्रुप को स्टार ग्रुप बताते हुए उनके द्वारा सतत 28 वर्षो से कई जा रही सेवा की सराहना की। महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल ने भी संबोधित करते हुए कहा कि इतने कम मूल्य पर उच्च श्रेणी की कापियों के लिए इन्दौर नगर सोशल ग्रुप का बहुमान करते हुए इसकी निरंतरता की सराहना कर जैन समाज को लाभान्वित करने के लिए कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से व अतिथि स्वागत भाषण सुधीर जैन ने दिया अभय बंडी चेयरमेन ने किट एवं सेन्टर की जानकारी दी , कार्यक्रम का संचालन योजना मार्गदर्शक दिलीप मेहता ने किया व आभार सचिव नीरज जैन ने व्यक्त किया । इस अवसर पर नवीन जैन, दिलीप छाबड़ा, शिखर सोनी, भरतेश जैन, पी सी जैन, प्रकाश शाह, विनोद जैन, अरूण जैन, अशोक जैन , संगीता विनायका, सुनिल जटाले सनत जैन, अनिल अजमेरा, सुधीर सोनी, सुभाष काला व अन्य 50 सदस्य उपस्थित थे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर एवर की सदस्य

श्रीमती अनिता-श्री कैलाश बिंदायका

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

शुभेच्छु
अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, सचिव सुनीता गंगवाल
कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन
एवम समस्त संगिनी फॉर एवर सदस्य